IN THE HIGH COURT OF UTTARKHAND AT NAINITAL

Writ Petition No. 1493 (S/S) of 2007

1. Jawahar Lal
   S/o Balveer Singh
   R/o 275, New Adarsh Nagar
   Roorkee, District Haridwar.
2. Smt. Ruby Saini
   W/o Dr. Ashok Pundir
   R/o 600 Sainik Colony, Roorkee
   District Haridwar.

……..Petitioners

Versus

1. State of Uttarakhand through its Secretary
   Education, Civil Secretariat
   Dehradun.

2. Director School Education
   Mayur Vihar, Dehradun.
3. Additional Director, S.C.E.R.T.
   Uttarakhand, Narendra Nagar
   Tehri Garhwal.
4. Principal, District Education &Training
   Institute, Roorkee
   District Haridwar.

…….Respondents

Shri Ajay Veer Pundir, learned counsel for the petitioners.
Shri N.P.Sah, learned standing counsel for the respondents.

Hon'ble Prafulla c. Pant, J.

Heard learned counsel for the petitioners and learned Standing Counsel for the respondents.

2. By means of this writ petition, the petitioner has sought writ in the nature of

certiorari, quashing the format of affidavit, which is required to be signed by the selected candidates before undergoing the special B.T.C. course.

3. Learned counsel for the petitioners submitted that the conditions mentioned in the format of affidavit cannot be forced to be accepted by the petitioners, as the same are discriminatory and against them. The conditions mentioned in the format of affidavit are being reproduced below:-

"मैं शपथ पूर्वक यह भी बयान करता हूँ/करती हूँ कि–

1. यदि मेरा स्थाई निवास प्रमाण पत्र हरिद्वार जनपद के अतिरिक्त किसी अन्य जनपद अथवा जनपदों से निर्गत हुआ पाया जाय तो नियमानुसार मेरा अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाय।

2. यदि मेरा जाति प्रमाण पत्र असत्य/भ्रामक/संदिग्ध पाया जाता है तो नियमानुसार मेरा अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाय।

3. वर्तमान में माननीय उच्चन्यायालय नैनीताल के निर्णय दिनांक 09.07.2007 के आधार पर यदि मेरी बी0एड0 प्रशिक्षण उपाधि किसी भी विश्वविद्यालय से पत्राचार माध्यम से उत्तीर्ण किए जाने के सम्बन्ध में स्पष्ट प्रमाण मिलते है, तो मेरा अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाय।

4. यदि मेरी बी0एड0 प्रशिक्षण उपाधि के सम्बन्ध में, सम्बन्धित विश्वविद्यालय द्वारा सत्यापन के उपरान्त कोई

भी तथ्य असत्य, असंगत, संदिग्ध या भ्रामिक पाया जाता है। तो मेरा अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाये।

5. विगत वर्षों में एस0सी0ई0आर0टी0 नरेन्द्रनगर टिहरी द्वारा वि0बी0टी0सी0 राज्य स्तरीय काउन्सिलिंग के उपरान्त मैंने उत्तराखण्ड के किसी भी जनपद में सहायक अध्यापक के रूप में कार्य नहीं किया है यदि किसी अवस्था में एतद् विषयक तथ्य उजागर होता है तो नियमानुसार मेरा अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायें।

6. यदि मेरे ब्लॉक में रिक्ति न होने के कारण क्रियात्मक प्रशिक्षण हेतु विद्यालय आवंटन हरिद्वार के किसी अन्य ब्लॉक में किय जाता है तो मुझे स्वीकार्य होगा।

7. मैंने वि0बी0टी0सी0 2006 के पूर्व किसी भी संस्थान में वि0बी0टी0सी0 प्रि क्षण उत्तीर्ण नहीं किया है। यदि किसी भी अवस्था में यह तथ्य असत्य पाया जाता है कि तो मेरा अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाय।

8. (केवल महिला स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आश्रित अभ्यर्थियों पर लागू) वि0बी0टी0सी0 2006 सम्बंधी विज्ञप्ति की तिथि 09 जुलाई 06 को मैं अविवाहित थी और स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी श्री/श्रीमती ..... सम्बन्ध .....की आश्रित थी। यदि यह तथ्य, असत्य पाया जाय तो नियमानुसार मेरा अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाये।"

4. On behalf of the petitioners, it is argued that the condition No. 7 is objectionable particularly on the ground that the same was not mentioned in the advertisement while inviting application for special B.T.C. course of 2006.

This Court does not find any illegality in the condition contained in the format of affidavit. If a person, who has already successfully undergone special B.T.C. course earlier, naturally he cannot be permitted to seek fresh admission in another course for he has deprived one person from getting job earlier, who would have been in service. If the petitioner No. 1 has left his job after completing special B.T.C. course earlier, he cannot be given special treatment as the condition is applicable to one and all alike.

5. In the above circumstances, this Court does not find any force in the writ petition. The writ petition is dismissed in limine.

(Prafulla C. Pant, J.)

Dated. 10.10.2007

s